PM SHRI KV SEC-3 ROHINI

DELHI REGION

PM SHRI

ACTIVITIES AND PEDAGOGIES UNDER PM SHRI SCHEME

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

2025-26

"A Nurturing Haven of Learning and Growth Where Minds Blossom and Future Unfolds"

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SECTOR-3, ROHINI

हमारे सरंक्षक

OUR PATRONS

SH. SARDAR SINGH CHAUHAN
HON'BLE DEPUTY COMMISSIONER
KVS RO DELHI

SH. GHANSHYAM PANDEY
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RO DELHI

SH. KAILASH CHAND MEENA
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RO DELHI

SH. DEVENDRA KUMAR
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS RO DELHI

SMT. ANITA SINGH
PRINCIPAL
KV SEC-3, ROHINI

SH. ANIL KUMAR
VICE PRINCIPAL
KV SEC-3, ROHINI

SH. JITENDER KUMAR
HEADMASTER
KV SEC-3, ROHINI

TABLE OF CONTENTS

OVERVIEW.. 4

1	COMMON GUIDELINES	5
2	TEACHING LEARNING MATERIALS (BALVATIKA)	7
3	TEACHING LEARNING MATERIALS (CLASSES 1 TO V)	9
4	LEARNING ENHANCEMENT PROGRAMME (LEP)/ REMEDIAL TEACHING	11
5	COMPETENCY BASED STUDENT ASSESSMENT	11
6	MODULE DEVEOPMENT (CLASS-1)	12
7	RESOURSE MATERIAL /ACTIVITY HANDBOOK AND ADDITIONAL SUPPORT OF	13
8	SCIENCE KIT AND MATHS KIT	13
9	SCIENCE AND MATHS CIRCLE/CLUB	15
10	EXPOSURE VISITS	18
11	MENTORING BY EMINENT EXPERTS (NATIONAL)	19
12	CONSTRUCTION OF WORKSHOP/LABORATORY CUM CLASSROOM	20
13	COST OF PROVIDING HANDS ON SKILLS TO STUDENTS	20
14	TRANSPORTATION OF STUDENTS	21
15	IN -SERVICE TRAINING FOR TEACHERS (5 DAYS)	21
16	LIBRARY GRANT (SR. SECONDARY SCHOOLS (UP TO HIGHEST CLASS XII)	22
17	SPORT EQUIPMANT	24
18	ENGAGEMENT OF YOGA/SPORTS/TEACHERS/COACHES	25
19	BAGLESS DAY	26
20	MAGIC STATE	28
21	READING PROMOTION WEEK	28
22	GUIDANCE AND CAREER COUNSELLING	29
23	ORGANISING HEALTH CAMPS	29
24	21ST CENTURY LEARNING AND INFORMATION SKILLS	30
25	ATAL TINKERING LAB/ROBOTIC LAB/ INNOVATION COUNCIL(NR)	30
26	DEDICATED FURNITURE FOR LIBRARY	31
27	FURNITURE FOR LABORATORY	32
28	FURNITURE FOR STAFFROOM	35
29	ART & CULTURAL PROGRAMME	36
30	CELEBRATION OF NATIONAL DAYS	36

31	DIGITAL TV FOR SCHOOLS37	37
32	FUND FOR SCHOOL SAFETY 38AND SECURITY	38
33	MUSICAL INSTRUMENTS39	39
34	PARENT TEACHER MEET40	40
35	ROBOTIC/SENSOR KIT FOR 40ARTIFICIAL INTELLIGENCE	40
36	TRAINING OF ICT TEACHERS40	40
37	CLASSROOM FURNITURE41	41
38	LAB EQUIPMENTS	43
39	LED LIGHTENING	44
40	ACTIVITY PROMOTING GREEN SCHOOL (MORE THAN 200 STUDENTS)	44
41	VEGETABLE/MEDICAL/KITCHEN GARDEN	45
42	COMPOSTING FACILITY FOR KITCHEN AND GARDEN WASTE	46
43	COLOURFUL DUSTIBIN PAINTED WITH INTERESTING CHARACTERS FOR WASTE	47
44	ORGANIZE ‘SWACHHTA PAKHWADA’/CLEANUP DRIVES	47
45	EXPERT TALK-GREEN SCHOOL	48
46	FIELD VISIT	49
47	SMART CLASSROOM	50
48	PROVIDING OF RECURRING GRANT-DIGITAL LIBRARY	50
49	PROVIDING AIDS & APPLIANCES	51
50	TRAINING OF GIRLS ON SELF-DEFENCE	52
51	ADOLSCENT GIRLS PROGRAMS	52
52	COMMUNITY PERTICIPANT	53
53	ENHANCEMENT OF SCHOOL FACILITIES AND AESTHETICS	54
ANNEXURE-1………………………………………………………………………………………….		55

3. TEACHING LEARNING MATERIALS (CLASSES I TO V)

विद्यालय में पीएम श्री योजना के तहत TOYS, WORKBOOKS, PUPPETS, GAMES, BOARD GAMES, STORY BOOKS, ANECDOTES, BUILDING BLOCKS, JIGSAW PUZZLE आदि सत्र 2024-25 में खरीदे गए। उपरोक्त सामग्रियों के द्वारा विद्यार्थियों के सीखने को रोचक एवं प्रभावी बनाया गया है।

विद्यालय में शिक्षण-अधिगम सामग्री (टी एल एम) का उचित उपयोग बच्चों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है।

टी एल एम का प्रभावी उपयोग छात्रों के संज्ञानात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा व शिक्षण को रोचक और सहज बनाता है, जिससे विद्यार्थी न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से भी विकसित हो रहे हैं। विद्यालय में इन सामग्रियों के उपयोग से शिक्षा को अधिक प्रभावी और आनंदमय बनाया जा रहा है।

4. LEARNING ENHANCEMENT PROGRAMME (LEP)/

REMEDIAL TEACHING

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में लर्निंग एनहांसमेंट प्रोग्राम (LEP) का उद्देश्य छात्रों के सीखने की क्षमता को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए कई तरह से महत्वपूर्ण है:

महत्व:

* शैक्षणिक सुधार: एलईपी छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है।
* कौशल विकास: यह छात्रों को विभिन्न कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जैसे कि समस्या-समाधान, रचनात्मक सोच और संचार कौशल।
* व्यक्तिगत ध्यान: एलईपी छात्रों को व्यक्तिगत ध्यान और सहायता प्रदान करता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।
* आत्मविश्वास में वृद्धि: जब छात्र अपनी सीखने की क्षमता में सुधार देखते हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।
* भविष्य के लिए तैयारी: एलईपी छात्रों को भविष्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करता है।
* शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार: एलईपी के माध्यम से, विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में सक्षम होते हैं।
* डिजिटल शिक्षा: एलईपी के माध्यम से छात्रों को डिजिटल शिक्षा के बारे में भी सिखाया जाता है।

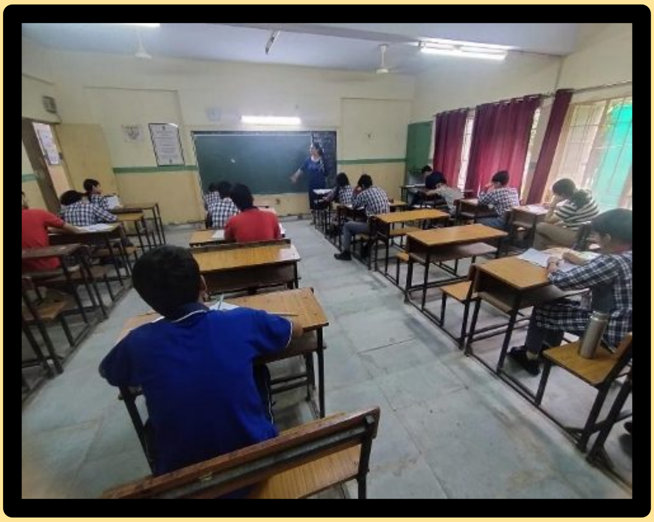

5. COMPETENCY BASED STUDENT ASSESSMENT

विद्यालय में Competency Based Learning को बढ़ावा देने व समृद्ध बनाने के लिए maps, cards, Dice आदि खरीदे गए जिनके द्वारा छात्रों में भौगोलिक समझ, स्थानिक जागरूकता, दिशाओं की पहचान करने में मदद मिली और ऐतिहासिक, सामाजिक अध्ययन में गहरी अंतर्दृष्टि पैदा हुई। ये सामग्री दृश्य-श्रव्य शिक्षण को प्रोत्साहित ही नहीं करती बल्कि छात्रों की स्मरण शक्ति और तार्किक सोच को बढ़ाकर त्वरित निर्णय लेने और प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने में मदद करती है। गणितीय कौशल जैसे जोड़, घटाव, गुणा और भाग को सुधारती है व भाग्य और रणनीति के मिश्रण के माध्यम से निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करती है। प्रतियोगी खेलों में रुचि बढ़ाकर सीखने को आनंदमय बनाती हैं।

ये तमाम गतिविधियाँ बच्चों के विभिन्न कौशलों जैसे तार्किक सोच, समस्या समाधान, भाषा ज्ञान, संचार कौशल के मूल्यांकन के लिए प्रभावी हैं तथा साथ मे व्यावहारिक ज्ञान के मूल्यांकन में सहायक होती हैं और बच्चों की वास्तविक दुनिया में सोचने-समझने की क्षमता को निखारती हैं।

बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए ये विभिन्न स्तरों पर अति उपयोगी है, जिनकी सहायता से शिक्षक बच्चों के विकास का सही आकलन करने में सक्षम हो पाता है। इनका प्रभावी उपयोग छात्रों के संज्ञानात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देता है। ये शिक्षण को रोचक और सहज बनाती हैं ।

6. MODULE DEVEOPMENT (CLASS-1)

टीचिंग-लर्निंग प्रॉसेस का उद्देश्य छात्रों को बुनियादी ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इस प्रक्रिया में छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने और समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

* छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण:

* टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस छात्र-केंद्रित होना चाहिए, जिसमें छात्रों की आवश्यकताओं और रुचियों को ध्यान में रखा जाए।
गतिविधियों पर आधारित शिक्षा छात्रों को सीखने में मदद करती है और उन्हें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है।

विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का उपयोग करें जैसे कि खेल, समूह कार्य और परियोजनाएं।

शिक्षकों को छात्रों की प्रगति का नियमित रूप से मूल्यांकन करना चाहिए और उन्हें

प्रतिक्रिया प्रदान करनी चाहिए।

* समावेशी शिक्षा:

* सभी बच्चों को शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए।

* शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न शिक्षण
टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस का उद्देश्य छात्रों को बुनियादी ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इस प्रक्रिया में छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने और समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

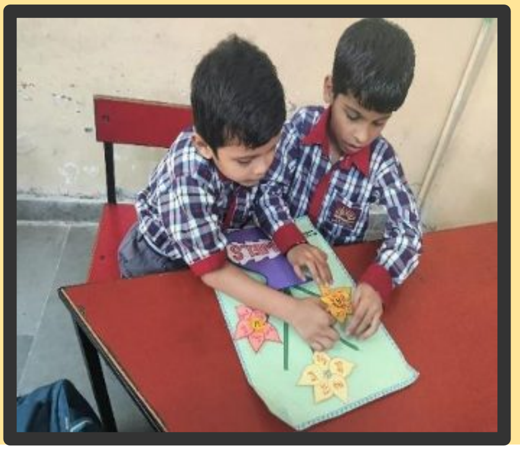

7. RESOURSE MATERIAL /ACTIVITY HANDBOOK AND ADDITIONAL SUPPORT OBJECTIVE

NCCSF और NCERT Activity Handbook के लाभ

शिक्षकों के लिए NCCSF (राष्ट्रीय बाल देखभाल और प्रारंभिक बचपन शिक्षा पाठ्यक्रम ढांचा) और NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) द्वारा प्रकाशित गतिविधि पुस्तिकाएं (Activity Handbook) शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके कुछ प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं:

NCCSF Activity Handbook के लाभ:

* प्रारंभिक बचपन शिक्षा पर ध्यान:

* NCCSF विशेष रूप से प्रारंभिक बचपन शिक्षा पर केंद्रित है, जो बच्चों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है। यह पुस्तिका शिक्षकों को इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपयुक्त गतिविधियां और शिक्षण रणनीतियां प्रदान करती है।

* बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा:

* यह पुस्तिका बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर जोर देती है।

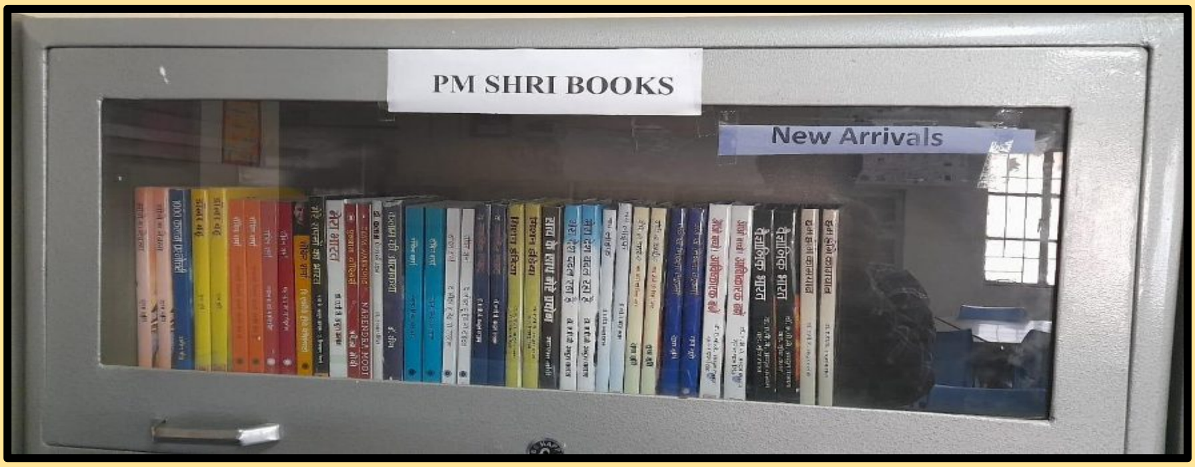

8. SCIENCE AND MATHS KIT

शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान और गणित का महत्वपूर्ण स्थान है। ये विषय तर्कशक्ति, विश्लेषणात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। बच्चों के लिए विज्ञान और गणित को रोचक और व्यावहारिक बनाने के लिए विज्ञान किट और गणित किट का उपयोग किया जा रहा है। ये किट बच्चों को प्रयोग करने, नए विचारों को समझने और अवधारणाओं को गहराई से जानने में सहायता करते हैं।

विज्ञान किट बच्चों को प्रयोग करने का अवसर देती है, जिससे वे सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझ पाते हैं तथा छोटे-छोटे प्रयोगों के माध्यम से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि, जिज्ञासा व समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा मिला है। इससे छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित होती है। यह समूह में काम करने और विचार साझा करने की क्षमता को बढ़ावा देती है गणित किट में संख्याएं, ज्यामिति, माप, बीजगणित आदि से जुड़े उपकरण होते हैं, जो संकल्पनाओं को सरल बनाते हैं। गणितीय पहेलियां और गणनाएं बच्चों की तार्किक और विश्लेषणात्मक सोच को तेज व आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

विज्ञान किट और गणित किट बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को आसान, रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ये न केवल पढ़ाई को मनोरंजक बनाते हैं, बल्कि बच्चों के मानसिक विकास में भी सहायता करते हैं। इसलिए स्कूलों और अभिभावकों के द्वारा बच्चों को इन किटों के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है जिससे वे वैज्ञानिक और गणितीय सोच में निपुण बन सकें।

SCIENCE KIT ACTIVITIES

9. SCIENCE AND MATHS CIRCLE/CLUB

INSPIRE MANAK IDEA COMPETITION

Innovation in Science Pursuit for Inspired Research' (INSPIRE) scheme is one of the flagships programmes of Department of Science & Technology (DST), Government of India. The INSPIRE - MANAK (Million Minds Augmenting National Aspirations and Knowledge), being executed by DST with National Innovation Foundation – India (NIF), an autonomous body of DST, aims to motivate students in the age group of 10-15 years and studying in classes 6 to 10. For the said award students of our Vidyalaya participated in the school level idea competition and 5 best ideas were nominated from the school after a rigorous selection process by our esteemed faculties.

NATIONAL SPACE DAY CELEBRATION – 28-08-2024

On the occasion of Maiden National Space Day, PM SHRI Kendriya vidyalaya Sector 3 ROHINI celebrated this day with great zeal and enthusiasm. The day started with a special assembly on the theme of National Space Day. Students made a prototype of Chandrayaan 3 and also played a skit to spread information about ISRO and Chandrayaan 3.

It was followed with a great show of models made by our future scientists. The day concluded with a presentation by our students to give information about ISRO.

An Eminent personality Dr Nimisha Kumari from NASA gave an insight about Indian Space. She is first lady from our country to be selected as ESA/AURA scientist

This day is seen as a celebration of national pride and a reaffirmation of India's commitment to advancing its space program, contributing to global space endeavors, and encouraging international cooperation in space exploration.

NO OF STUDENTS PARTICIPATED: 355

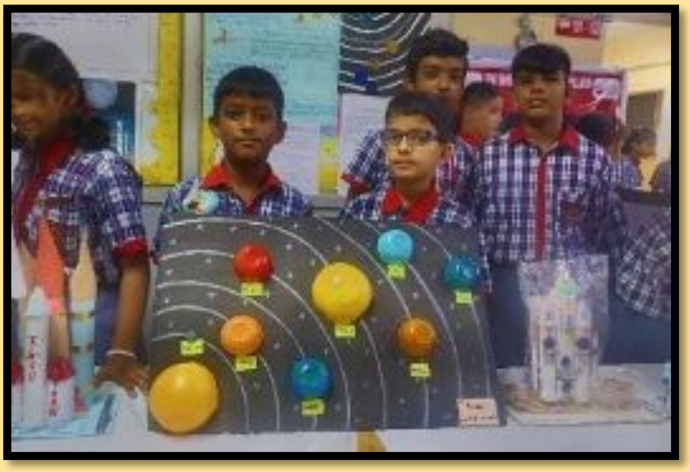

GREEN OLYMPIAD:

Transitioning environment learning: GREEN Olympiad, from awareness to action!

Genesis of GREEN Olympiad (GO) rests on a vision that awareness about sustainable development issues will provide an empowered youth stewardship for our planet. GREEN Olympiad enriches interdisciplinary knowledge, skills, and eco- values necessary for achieving sustainable development. Information gained through participation in this Olympiad is translated into environment improvement activities at the school level.

NO OF STUDENTS :79   DATE: 08-12-2024

RAJYA STARIYA BAL VAIGYANIK

With a view to encourage, popularize and inculcate scientific temper among the children of the country, NCERT organizes national level science exhibition every year where children showcase their talents in science and mathematics and their applications in different areas related with our everyday life. At the school level our students from VI to XI participated with great zeal and enthusiasm showcasing their scientific temperament. It was held on 14th December at the school level. Further five students from our Vidyalaya got the opportunity to participate at the KVS regional level competition held at KV Pitampura.

Amanat Ali from XI A was selected to give a presentation on “Millets” on the regional level seminar held at KV Pitampura.

No of students participated at school level: 85

MATHS CIRCLE ACTIVITY

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI had the privilege of receiving and using the Maths circle kit in all the sections of class VIII under the PM SHRI Scheme, an initiative of the Government of India.

The five-day training program aimed to introduce Class 8 students to the fundamental concepts of Maths and its real-world applications while equipping them with essential problem-solving skills. The program emphasized interactive learning through quizzes, hands-on lab sessions, and practical projects.

24.08.2025 -TANGRAM ACTIVITY

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity of receiving Tangram activity material under the PM SHRI Scheme, Govt of India.
The students of class 8th A., B and C were actively engaged in learning to assemble the parts to prepare a particular figure like animal shapes, tree shape etc. Learning session was attended by approx. 145 students of all the sections. The activity was performed first by the math's teacher followed by performance by the students in their respective math's period. It was overall an engaging activity that enhanced their learning of the said concept and also it proved to be one of the best methods to improve their coordination and problem-solving skills.

Activity on fraction 04.11.2024

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity of receiving fraction-based activity material under the PM SHRI Scheme, Govt of India.

T**he** students of class 7th A.,B and C were actively engaged in learning to assemble the parts to prepare a particular figure like animal shapes, tree shape etc. Learning session was attended by approx. 125 students of all the sections. The activity was performed first by 4 students of VIIA followed by performance by the students in their respective math's period in library. It was overall an engaging activity that enhanced their learning of the said concept and also it proved to one of the best methods to practice observation and problem-solving skills.

Activity on fraction 24.11.2024

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity of receiving Geoboard under the PM SHRI Scheme, Govt of India.

T**he** students of class 7th A were actively engaged in learning shapes. Session was attended by approx. 45 students of all the sections. The activity was performed first by Shonali followed by performance by the students in their respective math's period in library. It was overall an engaging activity that enhanced their learning of the said concept and also it proved to be one of the best methods to practice observation and problem-solving skills.

MATHS DAY 20.12.2024

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity to celebrate maths day

As we know every year Maths Day is celebrated on Mr. Ramanujan's birthday on 22nd December, as it was a holiday so PM SHRI. K.V SEC 3, ROHINI celebrated it on 20/12/2024 following activities were performed **Activities:**

- Malarpan during assembly
- Speech by Avi Dwiwedi of XIB
- Quiz taken by Sanya and
- Maths Exhibition

10. EXPOSURE VISITS

पीएम श्री योजना के तहत कक्षा 6-9 के छात्रों को साइंस सेंटर एक्सपोजर विजिट के लिए ले जाया गया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 3 के कक्षा 6-9 के विद्यार्थियों ने विज्ञान केंद्र (NATIONAL SCIENCE CENTRE) का शैक्षिक दौरा किया। इस एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्रदान करना था। उन्हें विज्ञान केंद्र के विभिन्न अनुभागों का दौरा कराया गया, जहां उन्होंने विज्ञान से संबंधित विभिन्न मॉडल, प्रयोग और प्रदर्शनी देखी।
छात्रों ने गति, बल, ऊर्जा एवं द्रव्य के विभिन्न प्रयोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। न्यूटन के गति के नियमों का व्यावहारिक तौर पर निरीक्षण किया। विद्युत चुम्बकीय प्रेरण एवं लेजर तकनीक के प्रयोग, रासायनिक क्रियाएं एवं अनुप्रयोग एसिड-बेस अभिक्रिया के लाइव प्रयोग,पर्यावरण संरक्षण हेतु हरित रसायन ,मानव शरीर की संरचना पर 3D प्रदर्शन, डीएनए संरचना का मॉडल एवं अनुवांशिकी की व्याख्या, पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म, खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष विज्ञान, ग्रहों, तारों एवं उपग्रहों की कार्यप्रणाली को एक डिजिटल स्काई शो के माध्यम से सीखा। भारत के अंतरिक्ष मिशनों की जानकारी प्राप्त की, टेलीस्कोप की कार्यप्रणाली एवं उसके महत्व को प्रत्यक्ष रूप से देखा।
सैद्धांतिक ज्ञान का व्यावहारिक अनुभव: कक्षा में पढ़ाई गई अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।
विज्ञान में रुचि बढ़ी: विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों एवं प्रयोगों को देखकर छात्रों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हुई। छात्रों ने समूहों में कार्य कर सहयोग एवं अनुशासन का महत्व सीखा। छात्रों को नए-नए वैज्ञानिक आविष्कारों एवं प्रयोगों को देखने के बाद अनुसंधान एवं नवाचार में रुचि जागृत हुई।
यह एक्सपोजर विजिट छात्रों के लिए अत्यंत शिक्षाप्रद रहा। उन्होंने विज्ञान को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर उसे प्रत्यक्ष रूप से समझा। इस प्रकार की शैक्षिक यात्राएँ न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक होती हैं बल्कि उन्हें वैज्ञानिक सोच और नवाचार के लिए भी प्रेरित करती हैं।

AMRIT UDYAAN

पीएम श्री योजना के अंतर्गत कक्षा ग्यारहवीं के सभी वर्गों के 133 विद्यार्थी 22 फरवरी 2025 को अमृत उद्यान की यात्रा पर गए। सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने गेट नंबर 35 से राष्ट्रपति भवन में प्रवेश किया। सभी विद्यार्थियों ने अमृत उद्यान का बहुत आनंद लिया तथा मध्य में जो उद्यान था वह बहुत ही सुंदर था। सभी विद्यार्थियों ने गुलाब के फूलों का लुत्फ उठाया । वहां बहुत बड़े-बड़े गुलाब अलग-अलग रंगों में देखने को मिले। बच्चों ने अमृत उद्यान के बैज प्राप्त कर हैंडीक्राफ्ट मेले में हाथ से बनी हुई बस्तुओं का अवलोकन किया। यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, आनंदायक व उत्साहवर्धक रही ।

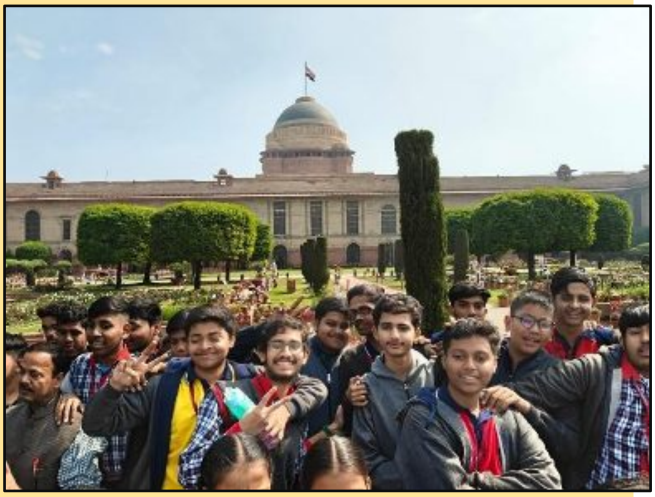

11. MENTORING BY EMINENT EXPERTS (NATIONAL)

पीएम श्री योजना के तहत विशेषज्ञों को आमंत्रित करके कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूलों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

इन कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों को नए शिक्षण तकनीकों और शैक्षिक संसाधनों के बारे में जानकारी दी गई। इससे छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलेगी और स्कूलों का समग्र विकास होगा।

12. CONSTRUCTION OF WORKSHOP/LABORATORY CUM CLASSROOM

विद्यालय में व्यावसायिक प्रयोगशाला (VOCATIONAL LAB) का निर्माण किया गया जो छात्रों के कौशल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके कई फायदे हैं:

* व्यावहारिक ज्ञान: व्यावसायिक प्रयोगशाला छात्रों को किताबों से परे जाकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देती है।
* कौशल विकास: यह छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करती है, जैसे कि कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य तकनीकी कौशल।
* रोजगार के अवसर: व्यावसायिक प्रशिक्षण छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करता है, जिससे उन्हें भविष्य में बेहतर अवसर मिलते हैं।
* आत्मनिर्भरता: यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है, क्योंकि वे अपने कौशल का उपयोग करके अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।
* उद्योग की जरूरतों को पूरा करना: व्यावसायिक प्रयोगशालाएं उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुसार छात्रों को प्रशिक्षित करती हैं, जिससे वे उद्योग में आसानी से समायोजित हो सकते हैं।
* छात्रों को अपने रुचि के अनुसार कौशल सीखने का मौका मिलता है।

13. COST OF PROVIDING HANDS ON SKILLS TO STUDENTS

HANDS ON SKILL TRAINING OF AI & ML USING PYTHON PROVIDED BY NIELIT FOR CLASS VIII

VENUE: PM SHRI KV SEC-3 ROHINI DELHI

(TRAINING PROGRAMME: 13-01-2025 - 31.01.2025)

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity to organize NIELIT training under the PM SHRI Scheme, Govt of India.
NIELIT (National Institute of Electronics & Information Technology), an autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics and Information Technology, Govt. of India, has started three weeks training session for all students of class VIII by trained **faculties of AIML (Artificial Intelligence Machine Learning) NIELIT.**
Workshop focused on the **Artificial Intelligence and Machine Learning using Python**. All students learned the following concepts during the session: -

Key Highlights: -

Artificial Intelligence-Introduction to AI, AI in everyday life, Types of AI, History of AI, Key components of AI, Domains of AI, understanding of Algorithms.
Activities: Students learned about using online AI tools.

- Quick Draw
- Chat GPT, Scratch Programming)

- **Machine Learning:** Introduction to Machine Learning, Types of ML (Supervised & Unsupervised Learning), Neural Networks and Deep Learning.

Activity: Students learned about creating a basic Machine Learning model using pre-built tools

- Teachable Machines

Python Programming: Introduction to Python Programming, Problem Solving Techniques using Algorithms and flowcharts, Basic Built in functions, Variables, Datatypes, Operators, Conditional Statements and Loops.

- **Python Programming Data Structures:** String, List, Tuple & Dictionary.

Activity: Students learned implementing python in programming.

Using IDLE shell students learned to implement python programme.

14. (TRANSPORTATION OF STUDENTS)

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI got an opportunity to visit NIELIT LAB for Class- VIII -A, B, C under the PM Shri Scheme, Govt of India.

NIELIT LAB TEST

STUDENT'S FEEDBACK

15. In- Service Training for Teachers (5 days)
Dates: 10.02.2025 to 14.02.2025

A five-day training program on Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) for PGT(CS) was conducted, providing participants with hands-on experience and theoretical knowledge about emerging technologies.
The training also included visits to the prestigious IIT Delhi and IIIT Delhi Medical Cobotics Centre, organized by IHFC (I-Hub Foundation for Cobotics). The sessions covered essential AI concepts, practical applications, and project-based learning, making it highly relevant for school students.

Training Contents:

1. **Google Teachable Machine:**
   - Introduction to AI-based model training without coding.
   - Hands-on experience with image, audio, and pose detection models.
   - Application in educational and real-world scenarios may be created in easy and understandable manner.
2. **Advanced Python Libraries:**
   - Exploration of AI and ML-focused libraries such as NumPy, Pandas, Matplotlib, TensorFlow, and Scikit-learn and their relevant functions like fit and predict were discussed at length.
   - Implementation of data pre-processing and model building using these libraries was done.
   - Understanding AI workflows and algorithms and the linear regression was discussed at length.
3. **Small Project and Presentation:**
   - Development of AI/ML-based mini-projects by participants in groups was taken up to ensure that actual learning took place.
   - Team presentations showcasing learned concepts and project outcomes was done.
   - Peer feedback and discussions to enhance understanding.

Visit to IIT Delhi and IIIT Delhi Medical Cobotics Centre:

- Exposure to cutting-edge research in AI, ML, and Robotics.
- Demonstration of AI-driven medical cobotics applications.
- Interaction with researchers and experts in the field.
- Understanding the role of AI in healthcare and automation
- Medical Cobotics Centre at IIIT Delhi is a perfect amalgamation of AI and Healthcare centre. The Human
- Patient Simulator (HPS) provides a big help in training Nurses and Doctors on a human simulator just as they would do in a real-life scenario.

Relevance of the course for School Students:

- Encourages early exposure to AI and ML, fostering innovation and problem-solving skills.
- Enhances computational thinking, logical reasoning, and programming abilities using Python and block programming tools and game development.
- Provides insights into AI's real-world applications, inspiring future careers in technology.
- Strengthens interdisciplinary learning, integrating science, technology, and mathematics.

Boarding and lodging arrangements at IIT Delhi Sonipat campus were excellent and made the stay pleasant. We thank KVS and IHFC for this wonderful learning experience.

16. LIBRARY GRANT (SR. SECONDARY SCHOOLS UPTO HIGHEST CLASS XII)

पीएम श्री योजना के तहत 'योजना', 'कुरुक्षेत्र', 'साइंस रिपोर्टर' जैसी पत्रिकाएँ और एनबीटी प्रकाशन की पुस्तकें खरीदी गई हैं। इससे छात्रों को कई लाभ मिलेंगे।

लाभ:

* ज्ञान का विस्तार: ये पत्रिकाएँ और पुस्तकें छात्रों को विभिन्न विषयों पर नवीनतम जानकारी प्रदान करेंगी, जिससे उनका ज्ञान बढ़ेगा।

* परीक्षा की तैयारी: 'योजना' और 'कुरुक्षेत्र' जैसी पत्रिकाएँ यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक हैं।

* विज्ञान में रुचि: 'साइंस रिपोर्टर' विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम विकासों के बारे में जानकारी प्रदान करेगी, जिससे छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी।

* साहित्यिक विकास: एनबीटी प्रकाशन की पुस्तकें छात्रों को विभिन्न प्रकार के साहित्य से परिचित कराएंगी, जिससे उनका साहित्यिक विकास होगा।

* समग्र विकास: ये पत्रिकाएँ और पुस्तकें छात्रों को समग्र विकास में मदद करेंगी, जिससे वे बेहतर नागरिक बन सकेंगे।

17. SPORTS EQUIPMENT

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में आये खेल उपकरण

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सेक्टर -3 रोहिणी में वर्ष 2023-24 के लिये पीएम श्री योजनान्तर्गत विभिन्न खेल उपकरणों का क्रय किया गया जिसमें ताइक्कांडो किट, योगा मैट, स्पीड हार्डल्स, बैडमिंटन रैकेट और शटल कॉक, रस्साकसी के लिये रस्सी आदि शामिल हैं।

उपर्युक्त उपकरणों के उपयोग से विद्यालय के बच्चों को लाभान्वित किया गया। ताइक्कांडो किट के द्वारा विद्यालय की छात्राओं ने जहाँ आत्मरक्षा के गुण सीखे तो कुछ छात्राओं ने अपने हुनर को केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर स्थान प्राप्त करके विद्यालय का मान -सम्मान बढ़ाया।

इसके अतिरिक्त योगा मैट का भी उपयोग करके बच्चों को देश की सांस्कृतिक धरोहर योग और प्राणायाम से अवगत कराया गया और योग प्रशिक्षक के द्वारा बच्चों को योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया जिसे अपनाकर बच्चे स्वस्थ जीवन यापन कर सकें। योग प्रतियोगिता में भी विद्यालय की छात्रा ने पदक प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त स्पीड हार्डल और रस्साकसी के द्वारा बच्चों को स्पीड और शक्ति प्रशिक्षण प्रदान कर उनको केंद्रीय विद्यालय संगठन की खेलकूद प्रतियोगिता हेतु तैयार किया गया। लोकप्रिय खेल बैडमिंटन के लिये छात्र एवं छात्राओं को खेल का अवसर मिल सका। इस प्रकार पीएम श्री योजनान्तर्गत आये खेल उपकरणों का सदुपयोग करते हुये सभी बच्चों को इस योजना से लाभान्वित किया गया।

18. Engagement of Yoga/Sports Teachers/ Coaches

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में खेलकूद प्रशिक्षक एवं योगा प्रशिक्षक की तैनाती:

खेल -विभाग, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सेक्टर -3 रोहिणी में वर्ष 2024-25 के लिये हैंडबॉल खेल प्रशिक्षक श्री हरीश कुमार को दिनांक 25/06/2024 एवं योगा प्रशिक्षण के लिये योग प्रशिक्षिका श्रीमती अंजू शर्मा को दिनांक 02/09/2024 से प्रतिनियुक्त किया गया है । केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली संभाग के "एक विद्यालय एक खेल" योजना के तहत हमारे विद्यालय में हैंडबॉल खेल का चयन किया गया है । हैंडबॉल खेल में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त करके विद्यालय के छात्र -छात्राओं में इस खेल के प्रति रूचि उत्पन्न करने हेतु हैंडबॉल प्रशिक्षक की अति आवश्यकता थी। इसी प्रकार विद्यालय में योग शिक्षा के उन्नति और विकास के लिये योगा प्रशिक्षिका की प्रतिनियुक्ति की गयी है। जो विद्यालय के बच्चों को योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। दोनों प्रशिक्षकों को पीएम श्री निधि से 21,250 प्रति माह वेतन निर्गत किया जाता है।

19. BAGLESS DAY CELEBRATION

The objective of observing a Bagless day was to promote a relaxed and enjoyable learning environment encouraging students to engage in various activities without the burden of their school bags.

ACTIVITIES CONDUCTED:

- Drawing and Painting: Students show caseed their artistic talents through drawing and painting activities.
- Students exhibited enthusiasm and eagerness to participate in various activities.

The absence of the school bags allowed students to move freely and comfortably. Teachers observed improved student’s interaction teamwork and communication skills. The bagless days celebration was a resounding success providing students with the unique opportunity to engage in diverse activities faster, creativity and develop essential life skills. We look forward to organising similar events in the future.

Participant 50 students

DATE	CLASS	STUDENTS
09/5/2024	VI	50
05/8/2024	VII	50
07/8/2024	VIII	50

20. "MAGIC SLATES"

Date: 21.02.2025 Subject: Utilization of "Magic Slates" in Class 1 Learning Activities

Introduction:

Magic slates were distributed to 115 students of class -1 at the PM SHRI Kendriya Vidyalaya sector -3 Rohini by respected principal mam & HM sir with the aim to support foundational literacy and numeracy (FLN) among class -1 students. The magic slates are set to be introduced in the preparatory stages of the school, providing an innovative tool to help children engage in early literacy and numeracy exercises.

Implementation and Usage:

- Magic slates" have been introduced to Class 1 students as a means of providing interactive and repetitive practice in writing and arithmetic.
- The slates serve as an eco-friendly and cost-effective alternative to traditional paper-based exercises.
- Students utilize the slates for activities such as:
  - Letter formation practice.
  - Number writing and recognition.
  - Basic drawing and visual representation.
- Teachers are actively incorporating the slates into daily lesson plans, facilitating guided practice and independent exploration.
- The use of the magic slates is being done in accordance with the national education policy goals of foundational literacy and numeracy. **Observations:**

- Students have demonstrated a high level of engagement and enthusiasm when using the "magic slates."
- The repetitive nature of the slates allows for increased practice, potentially leading to improved retention of foundational skills.
- The "magic" aspect of the slates, with their erasable surface, has proven to be a motivating factor for young learners. **Conclusion:**

The usage of "magic slates" in Class 1 helped in enhancing foundational learning. The initial response from students and teachers has been encouraging, and continued monitoring and evaluation will be crucial in determining the long-term impact of this initiative

21. READING PROMOTION WEEK

पढ़ाई और ज्ञानवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमारे विद्यालय में 12 से 19 नवंबर, 2024 तक "रीडिंग प्रमोशन वीक" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को विकसित करना और साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना था।

कार्यक्रम का विवरण: रीडिंग प्रमोशन वीक के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे:

1)**पठन प्रतियोगिता**: विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के लिए कहानी, कविता और समाचार पढ़ने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

2)**लेखन कार्यशाला**: छात्रों को अपनी रचनात्मकता विकसित करने के लिए लेखन कार्यशाला में भाग लेने का मौका दिया गया, जिसमें उन्होंने कहानियाँ, कविताएँ और निबंध लिखे।

3)**पुस्तक चर्चा:** प्रसिद्ध पुस्तकों पर चर्चा सत्र आयोजित किए गए, जहाँ छात्रों ने अपनी पसंदीदा पुस्तकों के बारे में अपने विचार साझा किए।

4) **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता**: पुस्तकों और लेखकों के ज्ञान का परीक्षण करने, टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिये प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

5) **बुकमार्क एवम बुक कवर डिज़ाइन प्रतियोगिता**: छात्रों ने बुकमार्क एवम बुक कवर डिज़ाइन करके अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इसमें 35 छात्रों के द्वारा भाग लिया गया ।

6) **पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता**: छात्रों ने साहित्य के प्रति अपनी सराहना को गहरा करते हुए अपने पाठों का सारांश और विश्लेषण किया । इसमें 50 छात्रों के द्वारा भाग लिया गया।

7) **कहानी कथन**: छात्रों ने मिलकर विभिन्न कहानियों का मंचन किया और छोटे बच्चों के लिए कहानी सुनाने का सत्र आयोजित किया गया।

8) **कविता पाठ प्रतियोगिता**: छात्रों की अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करने के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

उपलब्धियां और प्रभाव:

इस सप्ताह के दौरान छात्रों में पढ़ाई के प्रति जागरूकता और रुचि में वृद्धि देखी गई। कई छात्रों ने नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ने का संकल्प लिया और विद्यालय पुस्तकालय से अधिक पुस्तकें उधार लेने लगे। इस पहल से छात्रों की भाषा कौशल, कल्पनाशक्ति और ज्ञान में भी सुधार हुआ। "रीडिंग प्रमोशन वीक" न केवल एक सफल कार्यक्रम रहा बल्कि इसने छात्रों को पढ़ने के प्रति प्रेरित भी किया। भविष्य में इस प्रकार के और भी आयोजन किए जाने चाहिए ताकि बच्चों में साहित्य प्रेम और ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति विकसित हो सके।

22. GUIDANCE AND CAREER COUNSELLING

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SEC-3 ROHINI had the privilege of organizing sessions on Guidance & Career Counselling under the PM SHRI Scheme, an initiative of the Government of India, for students of class XI.

For this purpose, the programme 'Tarunotsava' was initiated on April 8, 2024 in our school (PM Shri Kendriya Vidyalaya, Sector-3, Rohini, N. Delhi) and. Activities and sessions were planned from 08/04/2024 to 27/04/2024 to implement the foundation classes, Guidance and counselling sessions, Hobby and Language Skill development sessions etc. 35 students attended the inaugural session on 8th April. They were addressed by Principal Madam and Vice Principal Sir.

Students were informed that this programme has provided an opportunity to the students to know about the challenges and level of learning in senior secondary level. They were motivated to attend it regularly. Career counselling, hobby classes, fundamentals of Physics, Chemistry, Mathematics and Computer science were discussed with the students.

This Programme was carried out from 08/04/2024 to 27/04/2024. Under this programme, following sessions/activities were organized:

• Programme/Activities to improve students' vocabulary, speaking and communication skills/ presentation skill. Communicative skills in both the languages Hindi and English have been developed.

• Programme/Activities to enhance in Oral Communication Skills and Spontaneity to express and develop a sense of Speaking and Writing, such as debate, book- reviews, extempore etc.

• Career Guidance and Counselling sessions were organised to make students aware of different careers, courses, colleges, universities and different scholarships. Career counselling has helped to decide the subject in class XI. In this regard, special session on "Commissioned Army Officer as your career option' with an Army Officer Col SK Chhikara, (an alumini of NDA, IMA & DSSC Wellington) was organized on 25/04/2024 from 11:40 am to 1:00 pm.

• Under hobbies/ Skill development, students enjoyed hobby classes of drawing, painting, music, work experience etc. under the guidance of skilled teachers.

• Sports Classes have been organized to motivate students to participate in different sports events.

• Session on Cyber safety was organized for the awareness of students on 20/04/2024.

• Subject guidance was given in Maths, Physics, Chemistry, Commerce and Computer science so that the children can prepare themselves for class XI and their foundation can be strengthened.

23. ORGANIZING HEALTH CAMP

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर के आयोजन में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थी: 727

व कक्षा 11वीं के विद्यार्थी: 106 कुल 833 विद्यर्थियों की शिविर में निम्नलिखित चिकित्सा जाँचें की गईं:

* आँख की जाँच

* नाक, कान, और गले की जाँच

* दाँतों की जाँच

* लंबाई और वजन का मापन

* सिर और छाती की जाँच

इस जांच का मुख्य उद्देश्य

* विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करना।

* शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना।

* आवश्यक चिकित्सा सलाह और उपचार प्रदान करना।

* विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

इस शिविर में अनुभवी डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की एक टीम ने विद्यार्थियों की विभिन्न स्वास्थ्य जाँचें कीं।

जाँच के दौरान, कुछ विद्यार्थियों में सामान्य स्वास्थ्य समस्याएँ पाई गईं, जैसे कि कमजोर दृष्टि, दाँतों में कैविटी, और पोषण की कमी।

इन विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सा सलाह और उपचार के लिए संदर्भित किया गया।

शिविर में विद्यार्थियों को स्वच्छता, पोषण, और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

यह स्वास्थ्य जाँच शिविर विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक रहा। इसने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में मदद की गई।

24. 21st CENTURY LEARNING AND INFORMATION SKILLS

पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों में कई कौशल विकास गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं।

गतिविधियाँ:

* कम्प्यूटर प्रशिक्षण: छात्रों को कंप्यूटर के बुनियादी और उन्नत कौशल सिखाए गए, जैसे कि प्रोग्रामिंग, वेब
  डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग।

* व्यावसायिक प्रशिक्षण:

* कला और शिल्प: छात्रों को पेंटिंग, मूर्तिकला, संगीत और नृत्य जैसी कलाओं में प्रशिक्षित किया गया।

* खेल: छात्रों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षित किया गया, जैसे कि क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स।

इन गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए ट्राफियाँ भी खरीदी गईं। इससे छात्रों को अपने कौशल को विकसित करने और बेहतर नागरिक बनने में मदद मिली।

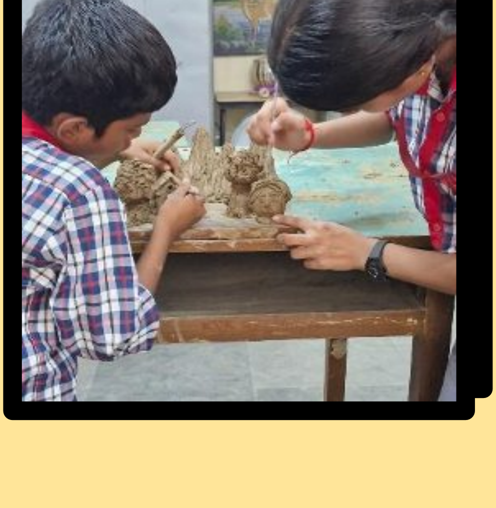

25. ATAL TINKERING LAB/ROBOTIC LAB/ INNOVATION COUNCIL(NR)

रोबोटिक लैब में छात्रों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न रचनात्मक परियोजनाओं का निर्माण करना सीखा। उन्होंने सेंसर, मोटर और माइक्रोकंट्रोलर जैसे घटकों का उपयोग करके स्वचालित गाड़ियाँ, रोबोटिक भुजाएँ और स्मार्ट होम सिस्टम के प्रोटोटाइप बनाए। इस दौरान छात्रों ने कोडिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बुनियादी सिद्धांतों को समझा। टीमवर्क और समस्या-समाधान कौशल विकसित करते हुए, उन्होंने अपनी कल्पना को साकार रूप दिया। यह अनुभव छात्रों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रुचि जगाने और भविष्य के नवाचारों के लिए प्रेरित करने वाला रहा। लैब ने उन्हें प्रायोगिक शिक्षा का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

26. DEDICATED FURNITURE FOR LIBRARY

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सेक्टर -3, रोहिणी, दिल्ली -85

पीएम श्री योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान का पुस्तकालय के लिए फर्नीचर, पत्रिकाएँ, कंप्यूटर आदि खरीद पर रिपोर्ट

भारत सरकार की पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के अंतर्गत हमारे विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए अनुदान प्राप्त हुआ। इस अनुदान का उपयोग विद्यालय पुस्तकालय में फर्नीचर और कंप्यूटर खरीदने के लिए किया गया, जिससे छात्रों को अध्ययन के लिए बेहतर माहौल मिल सके। विद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों, पुस्तकालयाध्यक्ष और प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आवश्यक संसाधनों की सूची तैयार की और पुस्तकालय के लिये निम्नलिखित सामग्रियाँ खरीदी गईं:

फर्नीचर: नई पढ़ने की कुर्सियाँ – 30

छात्रों के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था (गद्देदार कुर्सियाँ) - 7

कंप्यूटर और डिजिटल सुविधाएँ:

डेस्कटॉप कंप्यूटर – 7 इंटरनेट कनेक्शन सहित ।

इंटरएक्टिव पैनल -1   Podium -1

पुस्तकालय सॉफ्टवेयर E-Granthalaya 3.0 से E-Granthalaya 4.0 में अपग्रेडेशन ।

इन सबके अतिरिक्त छात्रों के ज्ञान वर्धन के लिए Yojana, Science Reporter, Competition Success Review, Employment News आदि पत्रिकाओं का भी क्रय किया जाता है ।

लाभ और प्रभाव:

छात्रों के लिये अब आरामदायक बैठने और पढ़ने की सुविधा उपलब्ध हो गई है तथा डिजिटल संसाधनों से विद्यार्थियों को नई तकनीकों और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तक पहुँच मिली है । इसके अतितरिक्त शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री तक आसानी से पहुँच भी संभव हुई। छात्रों में पढ़ने की रुचि और डिजिटल साक्षरता में वृद्धि हुई।

पीएम श्री योजना के तहत पुस्तकालय में फर्नीचर और कंप्यूटर की खरीद ने विद्यालय में अध्ययन वातावरण को और अधिक आधुनिक व सुविधाजनक बना दिया है। यह कदम छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहा है। विद्यालय प्रबंधन भविष्य में भी इस योजना के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं का सदुपयोग करेगा।

27. FURNITURE FOR LABORATORY

विद्यालय में भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए 40 लकड़ी के स्टूल खरीदे गए हैं। यह छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है जो उन्हें प्रयोगशाला में प्रयोग करते समय आराम से बैठने में मदद करेगी।

लाभ:

* सुविधाजनक प्रयोग: लकड़ी के स्टूल छात्रों को प्रयोग करते समय आराम से बैठने और काम करने की सुविधा प्रदान करेंगे।

* सुरक्षा: मजबूत लकड़ी के स्टूल प्रयोगशाला में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

* प्रयोगशाला का उन्नयन: नए स्टूल प्रयोगशाला को अधिक आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाएंगे।

* छात्रों की रुचि: आरामदायक और सुरक्षित वातावरण छात्रों को विज्ञान के प्रयोगों में अधिक रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

* समग्र विकास: यह छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने और विकास में मदद करेगा।

28. FURNITURE FOR STAFFROOM

पीएम श्री योजना के तहत, विद्यालय के स्टाफ रूम के लिए 35 नई कुर्सियाँ खरीदी गई हैं। यह खरीद स्टाफ सदस्यों के लिए एक आरामदायक और उत्पादक कार्य वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

उच्च गुणवत्ता वाली, टिकाऊ और आरामदायक कुर्सियों का चयन किया गया, जो स्टाफ रूम के लिए उपयुक्त हैं

कुर्सियों का वितरण:

* सभी 35 कुर्सियाँ स्टाफ रूम में वितरित कर दी गई हैं।

* स्टाफ सदस्यों ने नई कुर्सियों की गुणवत्ता और आराम की सराहना की है।

* स्टाफ रूम में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना।

* स्टाफ सदस्यों के लिए एक आरामदायक और उत्पादक कार्य वातावरण प्रदान करना।

* पीएमश्री योजना के तहत विद्यालय के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

निष्कर्ष:

पीएम श्री योजना के अंतर्गत स्टाफ रूम के लिए 35 कुर्सियों की खरीद और वितरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। यह खरीद स्टाफ सदस्यों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लेकर आई है और विद्यालय के समग्र कार्य वातावरण को बेहतर बनाने में योगदान देगी।

29. ART & CULTURAL PROGRAMME

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में कला, सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन जैसे story telling 6/7/24 को प्रतिभागी 30-30 विद्यार्थी, कविता पाठ 12/7/24 प्रतिभागी 30-30 विद्यार्थी, कव्वाली 7/8/24 प्रतिभागी 40-40 विद्यार्थी, ग्रुप सांग 30/9/24 को प्रतिभागी 32-32 विद्यार्थी आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। उपरोक्त गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास व व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एकल गीत, नृत्य, मोनो एक्टिंग एवं स्किट जैसी गतिविधियों से छात्रों में आत्म-प्रस्तुति का आत्मविश्वास विकसित होता है।

ये गतिविधियाँ छात्रों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करती हैं।नाटकों एवं बैनर प्रतियोगिताओं के माध्यम से वे सामाजिक मुद्दों को समझते और उन पर अपनी राय बना सकते हैं। विद्यालय में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और कला संबंधी गतिविधियाँ छात्रों के व्यक्तित्व विकास, आत्मनिर्भर, रचनात्मक, और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाते हैं। अतः ऐसी गतिविधियों को विद्यालयी पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाए रखना आवश्यक है ताकि छात्र अपने सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर हो सकें।

30. CELEBRATIONS OF NATIONAL DAYS

Independence Day 15/8/20 24

participation 55 students Spectators 700 students and all staff members.

Republic Day celebration 26 /1/2025

participation 70 students' spectators approximately 900 students and all staff members

Gandhi Jayanti 2/10 /2024

participation approximately 220 students

Teachers Day 5 /9 /20 24

Participation class 12th students as teachers and all the students present along with teachers.

National Youth Day 12/1/2025

Birthday of Swami Vivekananda

participation of students 15

Spectators students of the Vidyalaya

Hindi Divas 14/9/204

participation 150 students and all the students as spectators.

Children's Day 14 / 11 / 2024

participation 550 students' spectators all the students present.

National education day 11/11/2024

participation 15 students, spectators all the students present.

31. DIGITAL TV FOR SCHOOLS

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में डिजिटल टीवी और रिसेप्शन के लिए टीवी लगाई गई है। इससे विद्यालय को कई लाभ होंगे:

लाभ:

* शिक्षा का आधुनिकीकरण: डिजिटल टीवी के माध्यम से पीएम ई-विद्या चैनल पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों को देखकर छात्र आधुनिक तरीके से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

* ज्ञान का विस्तार: पीएम ई-विद्या चैनल पर विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए शैक्षिक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं, जिससे छात्रों का ज्ञान बढ़ेगा।

* तकनीकी ज्ञान: डिजिटल टीवी और पीएम ई-विद्या चैनल के उपयोग से छात्रों को तकनीकी ज्ञान भी प्राप्त होगा।

* रिसेप्शन में सुविधा: रिसेप्शन में टीवी लगने से आगंतुकों को विद्यालय की जानकारी और शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिलेगी।

* विद्यालय का आधुनिकीकरण: डिजिटल टीवी और रिसेप्शन में टीवी लगने से विद्यालय आधुनिक और आकर्षक दिखेगा।

* छात्रों की रुचि: डिजिटल टीवी और पीएम ई-विद्या चैनल के उपयोग से छात्रों की शिक्षा में रुचि बढ़ेगी।

32. FUNDS FOR SCHOOL SAFETY AND SECURITY

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में सीसीटीवी की निगरानी के लिए 75 इंच का पैनल और अग्निशामक यंत्र खरीदे गए हैं। इससे विद्यालय को कई लाभ होंगे:

लाभ:

* सुरक्षा में वृद्धि: सीसीटीवी निगरानी के लिए बड़े पैनल से विद्यालय परिसर की बेहतर निगरानी हो सकेगी और सुरक्षा में वृद्धि होगी।
* अपराधों पर नियंत्रण: सीसीटीवी कैमरों की निगरानी से विद्यालय में होने वाले अपराधों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा।
* अग्निशामक यंत्र से सुरक्षा: अग्निशामक यंत्र विद्यालय में आग लगने की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करेगा और जान-माल की हानि को कम करेगा।
* छात्रों की सुरक्षा: सीसीटीवी निगरानी और अग्निशामक यंत्र से विद्यालय में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।
* विद्यालय का सुरक्षित वातावरण: यह विद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद करेगा।

33. MUSICAL INSTRUMENTS

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय के संगीत कक्ष में नए वाद्य यंत्र तथा मरम्मत हुए वाद्य यंत्र

केंद्रीय विद्यालय सेक्टर 3, रोहिणी, दिल्ली – 85

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय के संगीत विभाग में नए वाद्य यंत्र और मरम्मत:

विद्यालय के संगीत विभाग में पीएम श्री योजना के तहत नए वाद्य यंत्र जैसे बोंगो, ड्रम सेट, क्लैप बॉक्स, मंजीरा, गिटार आदि का ऑर्डर दिया गया है, जिनमें से गिटार और बोंगो विद्यालय में आ चुके हैं।

इसी योजना के तहत विभाग के पुराने वाद्य यंत्रों की भी मरम्मत कराई गई है, जिससे उनकी स्थिति अब बेहतर हो गई है। इनमें हारमोनियम, तबला, ढोलक, कोंगो आदि शामिल हैं।

उपरोक्त उपकरणों के उपयोग से विद्यालय के बच्चों को लाभ मिलेगा।

बच्चों में संगीत के प्रति रुचि बढ़ाने और वादन तथा गायन सीखने में नए वाद्य यंत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इन वाद्य यंत्रों से विद्यालय की प्रार्थना सभा सुंदर, आकर्षक और कर्णप्रिय होने की उम्मीद है।

34. PARENT TEACHER MEET

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में समय-समय पर कक्षा एक से बारहवीं तक अभिभावक-शिक्षक बैठकें (पीटीएम) आयोजित की जाती हैं, जिनमें चाय-बिस्कुट का प्रबंध किया जाता है। यह एक सराहनीय पहल है, जिससे कई लाभ होते हैं:

लाभ:

* बेहतर संवाद: चाय-बिस्कुट के साथ अनौपचारिक माहौल में अभिभावक और शिक्षक खुलकर बातचीत कर सकते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों पर बेहतर संवाद होता है।

* संबंधों में सुधार: यह पहल अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संबंधों को मजबूत करती है, जिससे वे एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं।

* बच्चों के विकास में मदद: अभिभावकों और शिक्षकों के बीच नियमित संवाद से बच्चों की प्रगति की निगरानी करना और उनकी समस्याओं को समय पर हल करना आसान हो जाता है।

* विद्यालय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण: चाय-बिस्कुट का प्रबंध अभिभावकों के मन में विद्यालय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाता है और उन्हें विद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

* सहयोग की भावना: यह पहल अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देती है, जिससे बच्चों के समग्र विकास में मदद मिलती है।

* विद्यालय का वातावरण: पीटीएम में चाय बिस्कुट का प्रबंध होने से विद्यालय का वातावरण खुशनुमा बना रहता है।

35. <u>ROBOTIC/SENSOR KIT FOR 40ARTIFICIAL INTELLIGENCE</u>

पीएम श्री योजना के तहत खरीदे गए ड्रोन किट, सेंसर किट और इलेक्ट्रॉनिक किट छात्रों के लिए तकनीकी ज्ञान और कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

उपयोग:

* ड्रोन किट: छात्र ड्रोन के संचालन, डिजाइन और प्रोग्रामिंग को सीखेंगे, जिससे उन्हें एयरोस्पेस और फोटोग्राफी में करियर के अवसर मिलेंगे।

* सेंसर किट: छात्र विभिन्न प्रकार के सेंसर के उपयोग से डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने के कौशल विकसित करेंगे, जो उन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग में मदद करेगा।

* इलेक्ट्रॉनिक किट: छात्र इलेक्ट्रॉनिक सर्किट बनाने, मरम्मत करने और समस्याओं को हल करने के कौशल सीखेंगे, जो उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान में मदद करेगा।

* यह किट छात्रों को नवाचार और समस्या-समाधान के लिए प्रोत्साहित करेगी।

36. TRAINING OF ICT TEACHERS

A five-day training program on Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) for PGT(CS) was conducted, providing participants with hands-on experience and theoretical knowledge about emerging technologies.
The training also included visits to the prestigious IIT Delhi and IIIT Delhi Medical Cobotics Centre, organized by IHFC (I-Hub Foundation for Cobotics). The sessions covered essential AI concepts, practical applications, and project-based learning, making it highly relevant for school students.

1. **Training Contents:**
2. **GOOGLE TEACHABLE MACHINE:**
   - Introduction to AI-based model
   - training without coding.
   - Hands-on experience with image,
   - audio, and pose detection models.
   - Application in educational and real-world scenarios may be created in easy and understandable manner.
3. **Advanced Python Libraries:**
   - Exploration of AI and ML-focused libraries such as NumPy, Pandas, Matplotlib, TensorFlow, and Scikit-learn and their relevant functions like fit and predict were discussed at length.
   - Implementation of data pre-processing and model building using these libraries was done.
   - Understanding AI workflows and algorithms and the linear regression was discussed at length.
4. **Small Project and Presentation:**
   - Development of AI/ML-based mini-projects by participants in groups was taken up to ensure that actual learning took place.
   - Team presentations showcasing learned concepts and project outcomes was done.
   - Peer feedback and discussions to enhance understanding.

37. CLASSROOM FURNITURE

पीएम श्री योजना के तहत, विद्यालय में कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए नई बेंचें खरीदे गए हैं।

यह खरीद विद्यार्थियों के लिए एक आरामदायक और उपयुक्त अध्ययन वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

बेंचों की खरीद के लिए आवश्यक बजट पीएम श्री योजना के अंतर्गत आवंटित किया गया था।

उच्च गुणवत्ता वाली, टिकाऊ और आरामदायक बेंचों का चयन किया गया, जो कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त हों।

* विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नई बेंचों की गुणवत्ता और आराम की सराहना की है।

पीएम श्री योजना के अंतर्गत कक्षा **10वीं और 12वीं** के विद्यार्थियों के लिए बेंचों की खरीद और वितरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। यह खरीद विद्यार्थियों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लेकर आई है और विद्यालय के समग्र अध्ययन वातावरण को बेहतर बनाने में योगदान देगी।

38. LAB EQUIPMENTS

विद्यालय में छात्रों के शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयोगशालाओं (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) और जूनियर साइंस रिसर्च (JSR) के लिए आवश्यक सामग्री खरीदी गई है।

सामग्री:

* भौतिकी प्रयोगशाला: ऑप्टिकल उपकरण, विद्युत उपकरण, माप उपकरण।

* रसायन विज्ञान प्रयोगशाला: रसायन, कांच के बर्तन, बर्नर, सुरक्षा उपकरण।

* जीव विज्ञान प्रयोगशाला: सूक्ष्मदर्शी, स्लाइड, नमूने, डिसेक्शन उपकरण।

* JSR: छात्रों के प्रोजेक्ट के अनुसार किट, उपकरण और सामग्री।

लाभ:

* व्यावहारिक ज्ञान: छात्रों को प्रयोगशालाओं में प्रयोग करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका व्यावहारिक ज्ञान बढ़ेगा।

* वैज्ञानिक सोच: प्रयोगशालाओं में काम करने से छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी।

* JSR को बढ़ावा: JSR के लिए सामग्री मिलने से छात्रों को विज्ञान में रुचि बढ़ेगी और वे नवाचार करेंगे।

* बेहतर शिक्षा: यह छात्रों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने और उनके समग्र विकास में मदद करेगा।

39. <u>LED LIGHTENING</u>

<u>स्टाफ रूम के लिए एलईडी लाइटें खरीदी गई हैं, जो कई फायदे प्रदान करती हैं</u>।

* ऊर्जा दक्षता: एलईडी लाइटें पारंपरिक लाइटों की तुलना में कम ऊर्जा का उपयोग करती हैं, जिससे बिजली के बिल में बचत होती है।
* दीर्घायु: एलईडी लाइटें लंबे समय तक चलती हैं, जिससे बार-बार बदलने की आवश्यकता नहीं होती है।
* बेहतर रोशनी: एलईडी लाइटें उज्ज्वल और समान रोशनी प्रदान करती हैं, जिससे स्टाफ रूम में काम करना आसान हो जाता है।
* आंखों के लिए आरामदायक: एलईडी लाइटें कम चकाचौंध पैदा करती हैं, जिससे आंखों पर कम तनाव पड़ता है।
* पर्यावरण के अनुकूल: एलईडी लाइटों में पारा नहीं होता है, जिससे वे पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं।
* काम का वातावरण: यह स्टाफ रूम को अधिक आरामदायक और उत्पादक काम का वातावरण बनाने में मदद करता है।

40. ACT... PROMOT... GREEN ... SCHOOL... (MORE T... 200 STUDENTS)

<u>**हरित विद्यालय गतिविधियाँ**</u>

हरित विद्यालय की गतिविधियाँ छात्रों को नवीन हरित प्रथाओं के लिए प्रेरित करने की क्षमता बढ़ाने में मदद करती हैं और यह पर्यावरण के प्रति जागरूक और जिज्ञासु बच्चों के पोषण में मदद करती हैं। पीएम श्री स्कूल कार्यक्रम 2022 में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के लिए एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ सीखने का माहौल बनाना है। हरित बुनियादी ढांचे को शामिल करके पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देने और नवीन प्रथाओं को लागू करके यह पहल पांच वर्षों में देश भर के स्कूलों को उन्नत करना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित शिक्षा साझेदारी एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य मजबूत, समन्वित, व्यापक कार्रवाई करना है जो प्रत्येक शिक्षार्थी को जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान, कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए तैयार करेगा। हरित शिक्षा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, यूनेस्को 2030 तक प्रत्येक देश में कम से कम 50% स्कूलों को हरित स्कूलों में बदलने के इरादे से स्कूलों के लिए एक एकत्रीकरण कार्यक्रम चलाता है। ऊपर बताए गए उद्देश्य के लिए आयोजित गतिविधियों की सूची निम्नलिखित है:-

1. "मिशन लाइफ और मेरी लाइफ"

हमारे स्कूल ने 19 मार्च 2024 को कक्षा VI से XII तक के छात्रों के साथ एक गतिविधि आयोजित की है जिसमें छात्रों द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ देखी गईं और प्रदर्शन की गईं-

- प्रकृति की सैर
- वृक्षारोपण
- ऊर्जा बचाओ विषय पर निबंध एवं नारा लेखन

2. "मिशन जीवन के लिए इको क्लब"

- कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 15 मई 2024 से 21 मई 2024 तक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न दिनों के दौरान की गई गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:-
- पहले दिन की गतिविधियाँ – वृक्षारोपण अभियान और पर्यावरण प्रतिज्ञा
- दूसरे दिन की गतिविधियाँ – बाजरा पर ड्राइंग प्रतियोगिता, किचन गार्डन गतिविधियों का निर्माण, बाजरा के महत्व पर भाषण
- तीसरे दिन की गतिविधियाँ- ई-कचरा कटौती प्रतिज्ञा, नारा लेखन प्रतियोगिता, ई-कचरा ऑडिट।
- चौथे दिन की गतिविधियां- कचरे को बायोडिग्रेडेबल और नॉन बायोडिग्रेडेबल की श्रेणी में लाना, कंपोज्ड पिट बनाना, कूड़ेदान को बायोडिग्रेडेबल और नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरे में अलग करना और इसके बारे में जागरूकता, कचरे से सर्वश्रेष्ठ बनाना, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
- पाँचवे दिन की गतिविधियाँ- ऊर्जा बचाएं, नारा लेखन/शपथ लेना
- छठे दिन की गतिविधियाँ – अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग, नारा लेखन प्रतियोगिता, एकल उपयोग प्लास्टिक को न कहें, प्रतिज्ञा

467 छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और जैविक कचरे के उपयोग का लाभ उठाया और इस पहल से जुड़ी स्थिरता के बारे में भी खुद को जागरूक किया।

3. सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग)

CAQM यह गतिविधि मार्च और जून/जुलाई माह में भी आयोजित की गई थी। हमारे छात्रों- शिक्षकों ने स्कूल परिसर में और उसके आसपास लगभग 600 पौधे लगाए थे।

4. स्वच्छता पखवाड़ा उत्सव

• हमारे स्कूल में 1 सितंबर 2024 से 15 सितंबर 2024 तक इको क्लब के छात्रों के साथ निम्नलिखित गतिविधियाँ देखी और संचालित की गईं। 510 छात्रों ने नीचे उल्लिखित गतिविधियों में भाग लिया था:-

1) दिन 1 की गतिविधियाँ - स्वच्छता सप्त दिवस

बी) दिन 2 और 3 की गतिविधियाँ – स्वच्छता जागृति दिवस

ग) दिन 4 और 5 गतिविधियाँ- सामुदायिक आउटरीच

घ) दिन 6 की गतिविधियाँ - ग्रीन स्कूल ड्राइव दिवस

ई) दिन 7 और 8 गतिविधियाँ – स्वच्छता भागीदारी दिवस

5. "पृथ्वी भारत जल सप्ताह 2024 का संगठन" – जो 17 सितंबर 2024 से 21 सितंबर 2024 तक कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के साथ मनाया गया। हमारे स्कूल में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे छात्रों को स्वयं की स्थिरता और हमारे पर्यावरण और पृथ्वी की रक्षा के लिए जल प्रबंधन के महत्व को समझने में मदद मिली। विभिन्न कक्षाओं के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:-

- छठी से आठवीं कक्षा के लिए प्रदर्शनी
- भाषण
- जल ही जीवन है विषय पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के 216 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

41. VEGETABLE/MEDICAL/KITCHEN GARDEN

पीएम श्री योजना के तहत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को रसोई के बगीचे हेतु बीज व पौधे खरीदे गए हैं। यह पहल छात्रों को कई तरह से लाभान्वित करेगी:

उपयोगिता:

व्यावहारिक ज्ञान:

* छात्रों को बागवानी का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा, जिससे वे भोजन उत्पादन की प्रक्रिया को समझेंगे।
* वे विभिन्न प्रकार की सब्जियों और पौधों के बारे में जानेंगे और उन्हें उगाने के तरीके सीखेंगे।

स्वास्थ्य और पोषण:

* छात्र ताजी और पौष्टिक सब्जियों का उत्पादन करके अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकेंगे।
* वे स्वस्थ खान-पान की आदतों के महत्व को समझेंगे।

पर्यावरण जागरूकता:

* छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा और उन्हें टिकाऊ खेती के महत्व के बारे में बताया जाएगा।
* यह छात्रों को प्रकृति के करीब लाएगा।

कौशल विकास:

* यह छात्रों को टीम वर्क, जिम्मेदारी और समस्या-समाधान जैसे कौशल विका करने में मदद करेगा।
* यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

शिक्षा के साथ अनुभव:

* यह छात्रों को शिक्षा के साथ अनुभव करने का एक शानदार तरीका है।
* यह छात्रों को विज्ञान, गणित और अन्य विषयों को व्यावहारिक रूप से सीखने में मदद करेगा।

42. COMPOSTING FACILITY FOR KITCHEN AND GARDEN WASTE

पीएम श्री योजना के तहत किचन गार्डन के लिए जैविक खाद और हरी खाद का उपयोग विद्यार्थियों के लिए कई तरह से फायदेमंद है:

पर्यावरण अनुकूल खेती:

* जैविक खाद और हरी खाद के उपयोग से विद्यार्थी पर्यावरण अनुकूल खेती के महत्व को समझेंगे।
* वे सीखेंगे कि कैसे रासायनिक उर्वरकों के बिना स्वस्थ और टिकाऊ तरीके से सब्जियां उगाई जा सकती हैं?

स्वास्थ्य और पोषण:

* जैविक खाद से उगाई गई सब्जियां अधिक पौष्टिक होती हैं, जो विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होंगी।
* वे समझेंगे कि स्वस्थ भोजन कैसे उगाया जाता है और इसका महत्व क्या है।

व्यावहारिक ज्ञान:

* विद्यार्थियों को जैविक खाद और हरी खाद बनाने और उपयोग करने का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
* वे सीखेंगे कि मिट्टी की उर्वरता को कैसे बनाए रखा जाता है और पौधों को स्वस्थ कैसे रखा जाता है?

कौशल विकास:

* बागवानी गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थियों में टीम वर्क, जिम्मेदारी और समस्या-समाधान जैसे कौशल विकसित होंगे।
* यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

प्रकृति के साथ जुड़ाव:

* यह विद्यार्थियों को प्रकृति के करीब लाएगा और उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाएगा।
* यह उन्हें मिट्टी के महत्व को समझने में मदद करेगा।

शिक्षा के साथ अनुभव:

* यह छात्रों को शिक्षा के साथ अनुभव करने का एक शानदार तरीका है।
* यह छात्रों को विज्ञान, गणित और अन्य विषयों को व्यावहारिक रूप से सीखने में मदद करेगा।

43. COLOURFUL DUSTIBIN PAINTED WITH INTERESTING CHARACTERS FOR WASTE

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में जैविक और अकार्बनिक कचरे के संगठन

स्कूल में उचित कचरा प्रबंधन एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जैविक और अकार्बनिक कचरे को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित करने से प्रदूषण कम करने, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने और छात्रों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अन्तर्गत -

1.कचरे को जैविक और अकार्बनिक श्रेणियों में प्रभावी ढंग से विभाजित करने के लिए विद्यालय प्रांगण में जगह जगह विभिन्न रंगों के कूड़ेदान लगाए गए तथा विद्यार्थियों को समझाया गया कि कौनसा कूड़ा किस कूड़ेदान में डालना है।

2. स्कूल में पुनर्चक्रण और खाद बनाने की प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में कंपोस्ट पिट बनाए गए हैं।

3. छात्रों और कर्मचारियों के बीच सतत् कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समय समय पर कार्यशलायें आयोजित की जाती हैं।

1. जैविक कचरा: इसमें प्राकृतिक रूप से विघटित होने वाली वस्तुएं शामिल होती हैं, जैसे कि भोजन के अवशेष, फल और सब्जियों के छिलके, पत्तियाँ, और कागज उत्पाद।

2. अकार्बनिक कचरा: प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, एल्यूमीनियम के डिब्बे और कांच जैसी वस्तुएं शामिल होती हैं, जो आसानी से विघटित नहीं होती हैं।

इन्हें पुनर्चक्रण किया जा सकता है या उचित रूप से निपटाया जा सकता है।

विद्यालय के इको-क्लब या छात्र समिति को कचरा प्रबंधन गतिविधियों की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया है।

44. ORGANIZE 'SWACHHTA PAKHWADA'/CLEANUP DRIVES

विद्यालय में दिनांक 01/09/2024 से 30/09/2024 तक स्वच्छता माह का आयोजन

स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यालयों में स्वच्छता का महत्व समझाने और जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष स्वच्छता माह का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में हमारे विद्यालय में भी इस वर्ष स्वच्छता माह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वच्छता माह का शुभारंभ: स्वच्छता माह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य जी के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। इसके बाद विद्यालय परिसर की सफाई के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

स्वच्छता माह के अंतर्गत कई जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित शामिल थीं-

1. स्वच्छता रैली: छात्रों ने "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" के नारे लगाते हुए विद्यालय के आसपास की सड़कों पर रैली निकाली।
2. सफाई अभियान: विद्यालय की कक्षाओं, प्रांगण, तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई।
3. पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता: छात्रों ने स्वच्छता विषय पर आकर्षक पोस्टर बनाए और स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लिया।
4. स्वच्छता पर भाषण: विद्यार्थियों ने स्वच्छता के महत्व पर भाषण प्रस्तुत किए और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया।
5. हाथ धोने की कार्यशाला: छात्रों को सही तरीके से हाथ धोने के महत्व और प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।
6. पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान: पर्यावरण की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

समापन समारोह: स्वच्छता माह का समापन समारोह विद्यालय में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी ने सभी छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी और स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

स्वच्छता माह के आयोजन से न केवल छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी बल्कि उन्हें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी भी महसूस हुई। यह अभियान केवल विद्यालय तक सीमित न रहकर छात्रों के माध्यम से उनके परिवार और समाज तक भी पहुँचा। इस प्रकार स्वच्छता माह का यह आयोजन अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा।

45. EXPERT TALK-GREEN SCHOOL

An expert talk on "Green School" was conducted to raise awareness about sustainable practices in educational institutions. The session aimed to educate students, teachers, and staff about the importance of eco-friendly school environments and the role they can play in promoting sustainability.

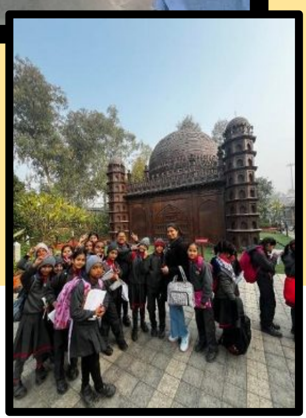

46. FIELD VISIT

सभी अध्ययन भ्रमणों की एक समेकित रिपोर्ट

कक्षा IV A, B और C:
* स्थान: भारत दर्शन पार्क, पंजाबी बाग, दिल्ली
* विद्यार्थियों की संख्या: 100

कक्षा III A, B और C:
* स्थान: सुंदर नर्सरी, निज़ामुद्दीन, दिल्ली
* विद्यार्थियों की संख्या: 95

कक्षा V A, B और C:
* स्थान: कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, नई दिल्ली
* विद्यार्थियों की संख्या: 136

कक्षा II A, B और C:
* स्थान: भारत दर्शन पार्क, पंजाबी बाग, दिल्ली
* विद्यार्थियों की संख्या: 63

कक्षा I A, B और C:
* स्थान: नेशनल रेल म्यूजियम, चाणक्यपुरी, दिल्ली

कक्षा VI से IX तक:
* स्थान: नेशनल साइंस सेंटर
* विद्यार्थियों की संख्या: 585

कक्षा 11
* स्थान: अमृत उद्यान
* विद्यार्थियों की संख्या: 133

विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को उनकी आयु और पाठ्यक्रम के अनुसार उपरोक्त अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया।
अध्ययन भ्रमणों का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनके ज्ञान को बढ़ाना था।
इन्हें देखकर विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह फील्ड विजिट विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव रहा। उनकी ज्ञान और समझ में वृद्धि हुई तथा रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा मिला। इससे उनमें देश के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना जागृत हुई।
यह फील्ड विजिट विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा।

47. SMART CLASSROOM

पीएम श्री योजना के तहत खरीदे **गए 36 इंटरैक्टिव पैनलों** से छात्रों को कई लाभ मिलेंगे। ये पैनल कक्षाओं को अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव बनाकर सीखने का अनुभव बेहतर बनाएंगे। छात्र इन पैनलों पर वीडियो, चित्र और अन्य मल्टीमीडिया सामग्री देख सकेंगे जिससे उन्हें विषयों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। शिक्षक इन पैनलों का उपयोग करके छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकेंगे। वे पैनलों पर चित्र बना सकते हैं, नोट्स लिख सकते हैं और छात्रों के साथ इंटरैक्टिव गेम खेल सकते हैं। ये पैनल छात्रों को समूह परियोजनाओं पर एक साथ काम करने और एक दूसरे से सीखने में भी मदद करेंगे। कुल मिलाकर ये इंटरैक्टिव पैनल छात्रों के लिए सीखने को अधिक मजेदार और प्रभावी बना देंगे।

48. PROVIDING OF RECURRING GRANT-DIGITAL LIBRARY

पीएम श्री योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान का पुस्तकालय के लिए फर्नीचर, पत्रिकाओं, कंप्यूटर आदि खरीद पर रिपोर्ट-

भारत सरकार की पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के अंतर्गत हमारे विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए अनुदान प्राप्त हुआ। इस अनुदान का उपयोग विद्यालय पुस्तकालय में फर्नीचर और कंप्यूटर खरीदने के लिए किया गया, जिससे छात्रों को अध्ययन के लिए बेहतर माहौल मिल सके। विद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों, पुस्तकालयाध्यक्ष और प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आवश्यक संसाधनों की सूची तैयार की और पुस्तकालय के लिये निम्नलिखित सामग्रियाँ खरीदी गईं:

कंप्यूटर और डिजिटल सुविधाएँ:

डेस्कटॉप कंप्यूटर – 7 इंटरनेट कनेक्शन सहित ।

इंटरएक्टिव पैनल -1 Podium -1

पुस्तकालय सॉफ्टवेयर E-Granthalaya 3.0 से E-Granthalaya 4.0 में अपग्रेडेशन ।

इन सबके अतिरिक्त छात्रों के ज्ञान वर्धन के लिए Yojana, Science Reporter, Competition Success Review, Employment News आदि पत्रिकाओं का भी क्रय किया जाता है ।

लाभ और प्रभाव:

छात्रों के लिये अब आरामदायक बैठने और पढ़ने की सुविधा उपलब्ध हो गई है तथा डिजिटल संसाधनों से विद्यार्थियों को नई तकनीकों और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तक पहुँच मिली है। इसके अतितरिक्त शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री तक आसानी से पहुँच भी संभव हुई। छात्रों में पढ़ने की रुचि और डिजिटल साक्षरता में वृद्धि हुई।

पीएम श्री योजना के तहत पुस्तकालय में फर्नीचर और कंप्यूटर की खरीद ने विद्यालय में अध्ययन वातावरण को और अधिक आधुनिक व सुविधाजनक बना दिया है। यह कदम छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहा है। विद्यालय प्रबंधन भविष्य में भी इस योजना के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं का सदुपयोग करेगा।

49. PROVIDING AIDS & APPLIANCES

पीएम श्री योजना के तहत, विद्यालय में CWSN (विशेष आवश्यकता वाले बच्चे) के लिए श्रवण यंत्र और सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों के लिए उपकरण खरीदे गए हैं।

* श्रवण यंत्र (Hearing Aids): ये यंत्र उन छात्रों के लिए बहुत मददगार हैं जिन्हें सुनने में कठिनाई होती है। इससे उन्हें कक्षा में शिक्षकों की बातों को स्पष्ट रूप से सुनने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी पढ़ाई में सुधार होगा।

* सेरेब्रल पाल्सी के लिए उपकरण (Cerebral Palsy Devices): ये उपकरण उन छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जिन्हें चलने-फिरने या शारीरिक गतिविधियों में कठिनाई होती है। ये उपकरण उन्हें अधिक स्वतंत्र बनाते हैं और उन्हें कक्षा में तथा स्कूल के आसपास आसानी से चलने-फिरने में मदद करते हैं।

ये उपकरण CWSN छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

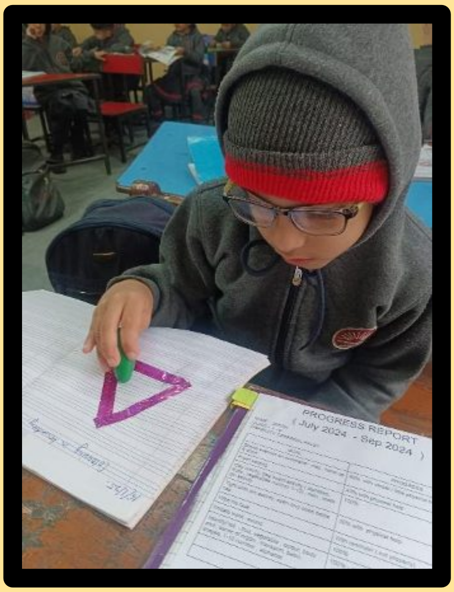

50. TRAINING OF GIRLS ON SELF-DEFENCE

पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय में आत्मरक्षा (ताइक्वांडो)प्रशिक्षण:

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सेक्टर -3 रोहिणी, में वर्ष 2024-225 के लिये 1 अक्टूबर 2024 से 30 जनवरी 2025 तक कक्षा- VIII व कक्षा -9 की छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण पीएम श्री योजनान्तर्गत प्रतिनियुक्त ताइक्वांडो प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किया गया जिसमे विद्यालय की कुल 155 छात्राओं ने सक्रिय रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किया और आत्मरक्षा तकनीक को सीखा। छात्राओं में कुछ ने स्वयं को इस प्रशिक्षण से आगामी केंद्रीय विद्यालय संगठन की संभागीय व राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिये और भी बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण को प्रदान करने के लिये पीएम श्री योजना के अंतर्गत क्रय किये हुये ताइक्वांडो किट का उपयोग किया गया जो प्रशिक्षण को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहायक सिद्ध हुई।

51.

51. ADOLESCENT GIRLS PROGRAMS

Hygiene can help clarify myths and misconceptions When girls and women have access to safe and affordable sanitary materials to manage their menstruation, they decrease their risk of infections.

This can have cascading effects on overall sexual and reproductive health, including reducing teen pregnancy, maternal outcomes, and fertility.

Poor menstrual hygiene, however, can pose serious health risks, like reproductive and urinary tract infections which can result in future infertility and birth complications.

Neglecting to wash hands after changing menstrual products can spread infections, such as hepatitis B and thrush. Studies have found that giving out sanitary pads to girls leads to a significant reduction in sexually transmitted infections and bacterial vaginosis.

Our school has observed an informative session on 19/02/2025 with Dr. Madhulika with girls students of class IX to XI.

52. COMMUNITY PERTICIPANT

विद्यालय में दादा -दादी और नाना-नानी दिवस

विद्यालय में दादा-दादी और नाना -नानी दिवस 10 फ़रवरी 2025 (Grandparents Day) बड़ी धूमधाम से मनाया गया। यह दिन विशेष रूप से दादा-दादी और नाना-नानी के प्रति हमारे प्रेम और सम्मान को व्यक्त करने के लिए समर्पित होता है। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने खुद के बनाये हुए स्वागत कार्ड द्वारा दादा -दादी और नाना -नानी का स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय में प्रधानाचार्या श्रीमती अनिता सिंह,उप-प्रधानाचार्य श्री अनिल कुमार, मुख्य अध्यापक श्री जितेंद्र कुमार सिंह तथा दादा दादी /नाना -नानी द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई और नन्हे -मुन्ने छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद छात्रों ने नाना-नानी और दादा-दादी के लिए सुंदर गीत और कविताएं प्रस्तुत कीं, जो हर किसी के दिल को छू गईं। इस कार्यक्रम में लगभग 300 दादा-दादी/नाना -नानी ने हिस्सा लिया।

विशेष आकर्षण इस दिन बच्चों द्वारा बुजुर्गों के साथ बिताए गए अनुभवों को साझा करने का था। कई छात्रों और दादा-दादी ने मंच पर आकर अपने दादी-नानी और दादा-दादी से जुड़ी प्यारी यादों को सुनाया, जिनमें वे उनके साथ समय बिताते हुए कुछ खास क्षणों को साझा कर रहे थे। छात्रों ने दादा -दादी, नाना -नानी के अनुभवों को सुनकर प्रेरणा हासिल की। इसके अलावा छात्रों ने दादा - दादी के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। दादा -दादी के लिये विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया जिसमें अनुमान लगाओ और गेंद फेंको आदि खेल शामिल थे। बच्चों द्वारा लघु नाटक भी प्रस्तुत किए गए, जिनमें परिवार में बुजुर्गों की अहमियत को दर्शाया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता सिंह द्वारा दादा - दादी और नाना- नानी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और बच्चों से अपील की कि वे अपने दादा -दादी और नाना- नानी का सम्मान करें और उनके द्वारा दी गयी सीख को जीवन में अमल करें।

कार्यक्रम के अंत में, दादा-दादी और नाना-नानी को विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। उन्हें सुंदर उपहार दिए गए । इस दिन का समापन सभी ने मिलकर बुजुर्गों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया। मुख्य अध्यापक श्री जितेंद्र कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। दादा -दादी के अनुरोध पर उनके मनपसंद गाने बजाए गए और उन्होंने नृत्य किया। विद्यालय द्वारा सभी दादा -दादी के लिये जलपान की व्यवस्था की गयी थी।

सभी को यह सिखाया कि हमारे बुजुर्गों का प्यार, अनुभव और मार्गदर्शन हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। इस आयोजन ने बच्चों को अपनी पारिवारिक जड़ों से जुड़ने, बुजुर्गों के प्रति सम्मान और प्रेम बढ़ाने की प्रेरणा दी।

53. ENHANCEMENT OF SCHOOL FACILITIES AND AESTHETICS

पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में 1000 लीटर प्रति घंटे का पानी शोधक यंत्र और सुंदर दिखने के लिए रिसेप्शन वॉल प्लानर स्थापित किए गए हैं।

* पानी शोधक यंत्र: यह छात्रों और कर्मचारियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल प्रदान करेगा। यह यंत्र पानी में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं और अशुद्धियों को दूर करेगा, जिससे छात्रों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।
* रिसेप्शन वॉल प्लानर: यह विद्यालय के प्रवेश क्षेत्र को आकर्षक और स्वागत योग्य बनाएगा। यह प्लानर विद्यालय की पहचान और मूल्यों को प्रदर्शित करेगा, जिससे आगंतुकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ये विद्यालय के वातावरण को बेहतर बनाने और छात्रों के लिए एक स्वस्थ और सुखद शिक्षण अनुभव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

4
LAYER
EGOR
2000
EGOR

Thank
You!